कानपुर में आनी थी, चारबाग में छापे में सीज

35 लाख की कालीमिर्च सिगरेट व सुपाड़ी पकड़ी

कानपुर | प्रमुख संवाददाता

सुपाड़ी और विदेशी सिगरेट के अलावा कालीमिर्च की तस्करी ने भी जोर पकड़ लिया है। कस्टम विभाग ने एक ही ट्रेन पर पांच दिन में दो बार छापेमारी कर 35 लाख का तस्करी का माल सीज कर दिया। चारबाग में ट्रेन से सीज माल की सप्लाई कानपुर के व्यापारियों को की जानी थी।

सोमवार सुबह लगभग छह बजे चारबाग लखनऊ स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या पांच पर अवध आसाम एक्सप्रेस को कस्टम विभाग ने जांच के दायरे में ले लिया। डिप्टी कमिश्नर चंचल कुमार तिवारी के निर्देश पर लखनऊ कस्टम्स की टीम निरीक्षक राकेश कुमार पाण्डेय, शिवम बाजपेई, हवलदार राम वृक्ष यादव और श्याम के साथ इंतजार करती रहीं। ट्रेन के प्लेटफार्म पर पहुंचते ही टीम ने दस मिनट में गुवाहाटी से लोड तस्करी कर लायी जा रही विदेशी सिगरेट और काली मिर्च को प्लेटफॉर्म पर उतार लिया गया। नयागंज और कलक्टरगंज के व्यापारियों तक पहुंचाया जाना था। शुरुआती जांच में पाया गया कि पहले की तरह ये माल भी म्यांमार बार्डर से लाया गया है। अधिकतर सिगरेट इंडोनेशिया मूल की पेरिस ब्रांड की पायी गई हैं। बरामद किए गए कुल माल का मूल्य 20-25 लाख के बीच है। पांच दिन पहले भी कस्टम्स लखनऊ की टीम ने इसी ट्रेन की लीज बोगी पर धावा बोल कर दस लाख से अधिक मूल्य की तस्करी की सुपारी ज़ब्त की थी। पिछले 5 दिन में एक ही ट्रेन से 35 लाख की तस्करी पकड़ कर टीम लखनऊ फिर से एक्शन में आ गई है।

राहत: कस्टम ने शुरू किया आईजीएसटी रिफंड सप्ताह

कस्टम्स निवारक आयुक्तालय (उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखण्ड) द्वारा आईजीएसटी रिफंड मामलों के त्वरित निस्तारण को आयुक्त वेद प्रकाश शुक्ला के निर्देश पर प्रदेश के सभी स्थल सीमा शुल्क चौकी, इनलैंड कंटेनर डिपो व सभी एयर कार्गो में 26 अगस्त से आईजीएसटी रिफंड सप्ताह घोषित किया है। इस संबंध में सीमा शुल्क चौकियों, आईसीडी व एयर पोर्ट पर व्यापारियों की सुविधा को व्यवस्था की गई है। नेपाल गंज, सोनौली ,गौरी फैंटा, बढ़नी , बनबसा, तिकोनिया, आईसीडी कानपूर, आईसीडी आगरा, वाराणसी एअरपोर्ट, लखनऊ एयर पोर्ट में व्यवसायियों की समस्यायों का समाधान प्रारम्भ कर दिया गया है। इस अभियान की कमान संभाल रहे डिप्टी कमिश्नर चंचल कुमार तिवारी ने बताया कि कस्टम्स में रिफंड की अधिकांश त्रुटियां व्यवसायियों द्वारा की जा रही प्रविष्टियों के मिलान ना होने की वजह से होती है। कुछ मामले तकनीकी त्रुटि के भी पाए गए हैं।